

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	ज्येष्ठ 03, शुक्रवार, शाके 1946-मई 24, 2024 Jyaistha 03, Friday, Saka 1946- May 24, 2024	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, अप्रेल 03, 2024**

**संख्या प. 2(15)वन/2024 :-**चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारी की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पुर्वावत वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन घर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11, (1) 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वनभूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित बन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष जो संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन

में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन  
विशिष्ट शासन सचिव, वन

संलग्न:- प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)  
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

## प्रथम अनुसूची

	प्रथम अनुसूची									
क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			विवरण			
				दिशा	भूमि	खसरा नं.	नाम ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल बीघा बिस्वा में	क्षेत्रफल हे० में
1-	वनखण्ड बरूबेह भाग.1	मनोहरथाना	झालावाड़	पूर्व	निजी खातेदारी	75	बरूबेह	72	40 बीघा 18 बीस्वा	6.6206
				पश्चिम	चारागाह	62				
				उत्तर	निजी खातेदारी	71				
				दक्षिण	वन भूमि वनखण्ड काजलिया कोटड़ा	82				
योग:—									40 बीघा 18 बीस्वा	6.6206
2-	वनखण्ड बरूबेह भाग-2	मनोहरथाना	झालावाड़	पूर्व	सीमा ग्राम मवासा	-	बरूबेह	84	133 बीघा 17 बीस्वा	21.6668
				पश्चिम	वन भूमि वनखण्ड काजलिया कोटड़ा	196/84				
				उत्तर	सीमा ग्राम मवासा	-				
				दक्षिण	वन भूमि वनखण्ड काजलिया कोटड़ा	85				
योग:—									133 बीघा 17 बीस्वा	21.6668
कुलयोग वनखण्ड बरूबेह भाग 1 व 2:-									174 बीघा 15 बीस्वा	28.2874

हस्ताक्षर

(नरेन्द्र चौधरी)  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
मनोहरथाना

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार IFS)  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़ (राज.)

**द्वितीय अनुसूची वनखण्ड बरूबेह  
पेड़ों की सूची**

क्रम संख्या	वानस्पतिक नाम	हिंदी नाम
1	Diospyros Melanoxylon roxb	तेन्दू
2	Euphorbia macrophyllae	दूधी
3	Dalbergia sissoo	शीशम
4	Millettia pinnata	करंज
5	Pithecellobium dulce	जंगल जलेबी
6	Holoptelea integrifolia	चुरेल
7	Syzygium cumini	जामुन

हस्ताक्षर

(नरेन्द्र चौधरी)  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
मनोहरथाना

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार IFS)  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़ (राज.)

## कार्यालय उप वन संरक्षक, झालावाड़

प्रमाण-पत्र

जिला :- झालावाड़  
तहसील :- मनोहरथाना  
रेंज :- मनोहरथाना  
रक्षित वनखण्ड :- बरूबेह भाग 1 व 2  
ग्राम :- बरूबेह

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का प्रत्यावर्तन प्रकरण परवन मध्यम सिंचाई परियोजना के विरुद्ध प्राप्त गैर वन भूमि है जिसका वन विभाग के नाम अमल-दरामद की जा चकी है। भूमि की किस्म गे.मु0 जंगलात है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा वृक्षारोपण विकास कार्यों के कराये जाने की संभावना है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0-0 से 0-2 है।
4. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न हैं जिसमें खसरा नं. व रकबा दर्ज है। प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक हैं। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
5. वनखण्ड के बीच में खसरा संख्या 84/186 स्थित है। जो कि निजी खातेदारी है। इस खसरे पर वनविभाग का कोई स्वामित्व नहीं है।
6. इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

हस्ताक्षर

(नरेन्द्र चौधरी)  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
मनोहरथाना

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार IFS)  
उप वन संरक्षक,  
झालावाड़ (राज.)

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।